# रहम मांगता हूँ

रहम मांगता हूँ करम मांगता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

गरीबों का दाता तू दौलत अदा कर
तू बीमार निर्बल को सेहत अता कर
बीमारों की तुझसे मरहम मानता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

जो बेघर हैं उनको मिले आशियाना
भटके हुओ को तू दे दे ठिकाना
गुज़ारिश है तुझसे अमन मांगता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

वतन से तू वेहशी दरिंदे सफा कर
लुटेरे हैं कातिल जो पापी फना कर
जला दे जो वेहशत अगन मानता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

तेरी बंदगी में लगाए तू रखना
रेहमत का आँचल बनाये तू रखना
भजन में तुम्हारे मगन मांगता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

मुझे दुर्गुणों से बचाये तू रखना
चलूँ नेक राहें चलाये तू रखना
ये बस तुझसे चलन मांगता हूँ
कन्हैया मैं तेरी शरण मांगता हूँ

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14786/title/rehmat-mangta-hu

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |